Transcription Script of the Public Hearing held on 5th November, 2016 for Social Impact Assessment Study for Land Acquisition at Bantony Castle Up Mohal Kali Bari, Tehsil Shimla (Urban), District Shimla

Date of Public Hearing: 5th November, 2016

Venue: Bachat Bhavan, DC Office, The Mall, Shimla

Submitted by:
PLAN Foundation (Social Impact Assessment Partner and Practitioner)

Submitted to:
Social Impact Assessment Unit (SIAU)
HIPA, Fairlawns Shimla (H.P)- 171012

November, 2016

विडिओ क्लिप 1 : जनसुनवाई की शुरवात और बैनर की रिकॉर्डिंग

विडियो क्लिप 2 और 3

मनु सूद : *"हमारा आलरेडी कोर्ट में सिविल सूट चला है और उसपे स्टे भी है और जो टोटल प्रॉपर्टी है उसका पार्ट है ये बेंतनी कैसल हमारी इसमें ऑब्जेक्शन है। सबसे बड़ी ऑब्जेक्शन हमारी ये है की जैसे आप बोल रहे हैं की 19,000/20,000 स्क्वेयर मीटर है एंड गवर्नमेंट उसका एक पर्टिकुलर पार्ट ले रही है तो फिर अगर लेना ही है तो फिर सारा लो I वो पार्ट ले के सिर्फ बाकी सारा बेकार हो जायेगा हम तो खुद चाहते हैं की गवर्नमेंट ले और कुछ ऐसा जैसा प्रोजेक्ट हो टूरिज्म से रिलेटिड हो ये जैसे आर्ट एंड कल्चर का म्यूजियम बना रहे हैं तो ये एक अच्छी चीज़ है शिमला शहर के लिए बट एटलीस्ट ये है की इसके को-ओनर हैं जैसे की हम हैं वो न मरे इस चीज़ के लिए।*

ये जो प्रॉपर्टी है ये मेरी दादी जी के फादर ने खरीदी थी। मेरी दादी के 5 ब्रदर्ज़ थे और वो अकेली सिस्टर थी एंड जो जैसे की हमारे कल्चर में लड़की को जो देना हो वो उसको खुद मिल जाता है। तो हमें तो ये था की जब डिविज़न होगा तो जो दादी का शेयर है वो उन्हें खुद मिल जायेगा। तो वी आर जस्ट सरप्राइजड की 2014 में जब ये दोबारा से अक्वायर कर रहे थे तो नोटिस वगेरह आया तो उसमे हमारा कहीं नाम कहीं रिफ्लेक्ट नहीं हुआ। हमने बात की तो कोई नतीजा न निकलने पर हमें कोर्ट जाना पड़ा।जहाँ ओनेरबल कोर्ट ने एकदम से हमें स्टे दे दिया क्योंकि कोर्ट की भी एक रिसर्च टीम होती है और उस समय नगी साहब एस डी एम् थे और उन्होंने भी देखा की इस केस में कहीं न कहीं कुछ गलती हुई है स्टे हो गया। और अब हमारा ये केस एविड़ेंस पे पहुँच गया है"

जीतेंद्र : "*आपकी दादी जी का नाम क्या था ?"*

मनु : *"उनका नाम सुकर्मा था । काफी साल पहले किसी ने भी ये नहीं सोचा था की RTI आर टी आई से सारे डॉक्यूमेंट निकल जायेंगे । जो उस टाइम उन लोगों के कुछ सोर्सीस थे। तो उन्होंने उन सोर्सीस का इस्तेमाल करके हमारी दादी जी को प्रॉपर्टी से बाहर कर दिया ।"*

विराल : *"तो एक बार तो हुआ होगा एंटर नाम?"*

मनु : *"हांजी। एक बार तो एंटर हुआ था नाम और जब ये नाम में चढ़ी तो उस टाइम एंटर हुआ था मतलब नॉट० ओनली बेंटनि बट बाकी जगह पर भी थी। तो कोर्ट इसकी कार्यवाही पर लगा है I मैं पार्टीकुलरली किसी का नाम नहीं लेना चाहता जो है वो खुद सामने आ जायेगा । हम तो ये है की अगर मेरी दादी इसमें शेयरहोल्डर नहीं थे तो उनका नाम क्यों आना था? नाम आया और उसके बाद बाहर निकल गया और भी जो प्रोपर्टीस हैं उसमे उनका 1/6th शेयर है जैसे की बियर खाना है, हमारा गाँव है , वहां तीन चार ज़मीनें है ,तो ये बात है की जो शिमला की की प्राइम प्रॉपरटिस थी, वहां से उनका नाम गायब हो गया, और बाकी जगह रहा इसलिए हमें कोर्ट जाना पड़ा तो ये तो अब सिविल सूट है और सारा डाक्यूमेंट्स पे ही बेस्ड है I*

हमने ये व्यू पॉइंट किसी एडवोकेट से नहीं लिया है। ये हमारा पर्सनल व्यू पॉइंट है

अभी तक कोई बंटवारा नहीं हुआ है। श्री राम कृष्ण जी इस प्रोपर्टी के मेन ओनर थे उन्ही के आगे लीगेज है उनके डायरेक्ट बाद ये प्रॉपर्टी बेटों के नाम चढ़ गयी उनके आगे संस , ग्रेंड संस है।"

जीतेंद्र : *"राशी और मुदिता के कॉन्टेक्ट्स ?"*

मनु : *"मैं राशी और मुदिता के कॉन्टेक्ट्स के कॉन्टेक्ट्स अरेंज करने की कोशिश करूँगा।"*

विडिओ 4 और 5

विश्वनाथ : *"हमारे साथ कोई नेगोशिएशन नहीं हुई । ये तो आप लिख के भेज दो हम बता देंगे कि हमें मानना है या नहीं ...बात ख़त्म ।"*

विडियो 6, 7 और 8

अजय मल्होत्रा: *"जी हमारी एक सोशल वेल्फयेर ऑर्गेनाइजेशन है तो ये उसके बारे ....."*

जीतेंद्र: *"कौन सी ऑर्गेनाइजेशन है ?"*

अजय मल्होत्रा : *"सोशल वेल्फयेर ऑर्गेनाइजेशन.... ये जो म्यूजियम वगेरह बना रहे है ....मैं यहाँ था नहीं आई वाज आउट ofआफ टाउन ।*

ये जो बंटनी कैसल है उपर म्यूजियम का सोच रहे है ....जो पुराने म्यूजियम है शिमला के वो भी करंटली मेन्टेन नहीं हो पा रहे हैं, गोवरंमेंट कोई अच्छी एक्टिविटीज हो तो बोहोत अच्छा होगा कोई बच्चों के रिगार्डिंग हो या कुछ और हो ..... जितना मेरा सर्कल है उतने मैंने सिग्न करा दिए है ।"

विराल : *"ये जो लोग है वो दीज आर मतलब ऑर्गनाइजेशन के मेम्बर है या जनरल लोग है ?"*

अजय मल्होत्रा : *"ये नोर्मल लोग है ऑर्गनाइजेशन के तो एक दो है बाकी तो आम जनता ह"।"*

जीतेंद्र : *"हम इसे ऑर्गनाइजेशन का रिप्रजेंटेशन माने या आम पब्लिक का ?"*

अजय मल्होत्रा : *"पब्लिक का ही ..."*

जीतेंद्र : *"रिप्रजेंतिद बाय सोशल वेल्फयेर ऑर्गेनाइजेशन।"*

अजय मल्होत्रा : *"कुछ करना ही है तो कुछ अच्छा करो शिमला की प्राइम प्रोपटी है ... कुछ अच्छी एक्टिविटी करना जरुरी है ..ये रूट इतना अच्छा है ....देयर इज ए नीड ऑफ़ पार्क।"*

विराल : *"हमने यह रिपोर्ट में डाला है कि म्यूजियम के साथ साथ पब्लिक पार्क जैसा कि आप बोल रहे है हमने ये रिकमेन्डेशन डाला है कि वी आर गेटिंग एनफ स्पेस तो म्यूजियम के साथ साथ पार्क भी ....वी हेव पूत ए रिकमेन्डेशन कि स्टेट मुजियम जो चौड़ा मैदान में है उसे अगर यहाँ शिफ्ट किया जाए तो ...."*

अजय मल्होत्रा : *"म्यूजियम तो शिमला है और ये प्राइम जगह पर है स्टेट म्युजियम को सब जानते है वल्ड वाइड सब जानते है उसको तो एक और बनके कोई फायदा नहीं है .... नहीं मैं तो कह रहा हूँ कि कोई पार्क वगेरह हो, इन प्लेन्स वी फाइंड पार्क्स एंड सोसाइटी वगेरह में पार्क होते है जहाँ सब जा सकते है कुछ ऐसा करो जहाँ ओल्ड लोग जा सके .... "*

विरालः- *"पार्क ईन सच ए प्लेस मेय नॉट बी वेरी फिजिबल आई एम टराईंग टू गेट यू आईडिया शिमला में दो क्लब है I"*

अजयः- *"ईट ईस टू डिफिकल्ट टू गेट मेम्बरषिप ईन एगसिटंग क्लबस ऑफ षिमला। आई सुजेस्ट ए पार्क और ए क्लब वेयर आम जनता को बेनिफिट हो।"*

विराल :" *आप उन लोगों के कांटेक्ट डिटेल्स और डेसिगनेशन ओकुपेशन वगेरह करवा दीजिये जो इस तरह की पार्क्स का समर्थन करते हैं।"*

अजय मल्होत्रा :*" हां वो में कर देता हूँ ...मेल ...कर देता हूँ "*

विडियो 9, 10, 11 और 12

विश्वनाथ : *" हिमूण्डा के अपने लैंड रेट क्या है? मै ये पूछना चाहता हूँ की क्या मुझे न्यू शिमला के रेट्स से भी कम रेट्स मिलेंगे ? मै जनरल बात कर रहा की गोवेर्मेंट को ये नही मिलेगी अगर वो ऐसा चाह रहे है । अगर वो मानते है तो ठीक है ।"*

विश्वनाथ:- *"पब्लिक को क्या फायदा होगा ? जनरल पब्लिकेट लार्ज व्हेदर ऑफ़ शिमला और टूरिस्ट ? यंहा एक ट्रामा सेंटर होना चाहिए । बीमार हो जाये तो कोई सनोडन जाते है । गाड़ी नही पहुँचती है विंटर में । एम्बुलेंस नही पहुँच पाती है । कई और चीजे है । देयर आर मेनी थिंग्स । में राजेश सूद और मनु सूद के सुझाओ देखना चाहता हूँ एक बार । ये किसकी है ? किस ऐन जी ओ की रिपोर्ट है । यंहा एक ट्रामा सेंटर होना चाहिए । बीमार हो जाये तो*

कोई सनोडन जाते है । गाड़ी नही पहुँचती है विंटर में । एम्बुलेंस नही पहुँच पाती है । कई और चीजे है । देयर आर मेनी थिंग्स । मैं राजेश सूद और मनु सूद के सुझाओ देखना चाहता हूँ एक बार । ये किसकी है ? किस ऐन जी ओ की रिपोर्ट है ।

राजेश और मनु ईटीसी. हमारी सिस्टर के बच्चे है । राजेश, मनु और वो लडकियां । आवर फादर डॉयेड इन थे ईयर 1980,आवर सिस्टर डॉयेड 29 इयर्स लैटर । सिस्टर के बेटे की डेथ 2013 या 2014 में हो गई

(मनु के फादर) आवर सिस्टर नेवर क्लेम्ड अन्य शेयर ड्यूरिंग हेर लाइफ टाइम क्योंकि 1944 में मेरी सिस्टर की शादी हो गए थी । आज से 60 से 70 वर्ष पहले और इंडिया लॉ में डॉटर्स का कोई हक़ नही होता था । लॉ क्लियर बोलता था । उनके टाइम में तीन एक्वीजीशन हुई । 86,75,2004 । कभी उन्होंने क्लेम नही क्या । सिस्टर की डेथ 2009 में हुई| कंही उनका रेवेनुए में रिकॉर्ड नही था ।

जब 2013 में एक्वीजीशन हुई राजेश बगैरह को किसी ने बोल दिया की क्लेम कर दो । जब भी कोई लैंड अकुइज़िशन का क्लेम आएगा तो सिम्पल ही आएगा, उसपे कोई कोर्ट फीस नहीं लगेगी तो उन्होंने अप्लिकेशन डाल दी यह सोच की चलो मिल गया तो ठीक वरना। दे हैड नथिंग टू लूज़। उस बेसिस पे उन्होंने अप्लिकेशन फ़ाइल् कर दी।अब अगर कोई प्रूफ ऑफ़ पोज़ेशन का टाइटल होता तो उनका माना जा सकता था नहीं तो कैसे माना जायेगा। इसी बेसिस पे डिपार्टमेंट ने 2013 में इनको मन कर दिया की कुछ नही मिलेगा ।"

[END]